CBSE 12th 2024 Compartment Hindi Core Set-2 (2/S/2) Solutions

---

खण्ड अ
(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

Q.1 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है?
उठी ऐसी घटा नभ में छिपे सब चाँद और तारे, उठा तूफान वह नभ में गए बुझ दीप भी सारे,
मगर इस रात में भी लौ लगाए कौन बैठा है ?
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है ? गगन में गर्व से उठ-उठ, गगन में गर्व से घिर-घिर गरज कहती घटाएँ हैं, नहीं होगा उजाला फिर,
मगर चिर ज्योति में निष्ठा जमाए कौन बैठा है?
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है? तिमिर के राज का ऐसा कठिन आतंक छाया है, उठा जो शीश सकते थे उन्होंने सिर झुकाया है,
मगर विद्रोह की ज्वाला जलाए कौन बैठा है?
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है ? प्रलय का सब समाँ बाँधे प्रलय की रात है छाई, विनाशक शक्तियों की इस तिमिर के बीच बन आई,
मगर निर्माण में आशा दृढ़ाए कौन बैठा है ? अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है?
प्रभंजन, मेघ दामिनी ने न क्या तोड़ा, न क्या फोड़ा, धरा के और नभ के बीच कुछ साबित नहीं छोड़ा,
मगर विश्वास को अपने बचाए कौन बैठा है?
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है ?
(i) प्रस्तुत काव्यांश में 'दीपक' प्रतीकार्थ है :
(A) ज्ञान
(B) ज्योति
(C) आशा
(D) शक्ति

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ii) "उठी ऐसी घटा नभ में छिपे सब चाँद और तारे" पंक्ति में 'चाँद और तारों का छिपना' से - अभिप्राय है :
(A) कोई मार्ग समझ में न आना
(B) विपरीत परिस्थितियों का घिर आना
(C) प्रकाश के साधनों का लुप्त हो जाना
(D) सहायक साधनों/व्यक्तियों का न होना
(iii) "तिमिर के राज का ऐसा कठिन आतंक छाया है" पंक्ति में 'तिमिर के राज' का आशय है :
(A) अँधेरे का साम्राज्य
(B) प्राकृतिक आपदाएँ
(C) आततायी शासक
(D) सत्ताधारी वर्ग
(iv) विनाशक शक्तियाँ जब सक्रिय हो जाती हैं तब :
कथन **I :** चारों ओर आतंक का राज रहता है।
कथन **II :** भय का वातावरण रहता है।
कथन **III:** अमन-चैन का साम्राज्य रहता है।
उपर्युक्त कथन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है **?**
(A) केवल कथन **I** और **II** सही हैं।
(B) केवल कथन **I** और **III** सही हैं।
(C) केवल कथन **II** और **III** सही हैं।
(D) कथन **I, II** और **III** सही हैं।

(v) स्तंभ-**I** को स्तंभ-**II** से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

स्तंभ-I	स्तंभ-II
1.तिमिर	**(i)**बिजली
2.समाँ	**(ii)**धरती
3.दामिनी	**(iii)**दृश्य
4.धरा	**(iv)** अँधेरा

विकल्प :
(A) 1-(ii), 2-(iii), 3-(iv), 4-(i)
(B) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii), 4-(iv)
(C) 1-(i), 2-(ii), 3-(iv), 4-(iii)
(D) 1-(iv), 2-(iii), 3-(i), 4-(ii)

collegedunia
India's largest Student Review Platform

Solution.(i) (C) आशा
काव्यांश में दीपक को प्रतीक के रूप में प्रयोग किया गया है जो निरंतरता और आशा का संकेत देता है, भले ही परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन हों।

(ii)(B) विपरीत परिस्थितियों का घिर आना
यह पंक्ति बताती है कि भारी बादलों की वजह से चाँद और तारे छिप गए हैं, जो विपरीत परिस्थितियों के आने का संकेत है।

(iii)(A) अँधेरे का साम्राज्य
'तिमिर के राज' का अर्थ अँधेरे और अज्ञान के साम्राज्य से है जो काव्यांश में गहरी कठिनाइयों और संकट को दर्शाता है।

(iv) (A) केवल कथन I और II सही हैं।
विनाशक शक्तियों की सक्रियता से आतंक और भय का वातावरण बनता है, अमन-चैन का साम्राज्य नहीं रहता।

(v) (D) 1-(iv), 2-(iii), 3-(i), 4-(ii)
1. तिमिर - अँधेरा
2. समाँ - दृश्य
3. दामिनी - बिजली
4. धरा - धरती

Q.2 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए **:**

भारतीय आयुर्वेद के अनुसार औषधीय चाय **(**हर्बल टी**)** को वैदिक चाय के तौर पर भी जाना जाता है। यह बेहद स्वादिष्ट और औषधीय गुणों से भरपूर होती है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व न सिर्फ शरीर में तरल पदार्थों की पूर्ति करते हैं बल्कि यह दूसरी चाय से भी भिन्न होती है। औषधीय चाय पीकर दिनभर की थकान तो दूर होती ही है**,** साथ ही यह शरीर को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं पहुँचाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि औषधीय चाय के नियमित सेवन से शरीर की प्रतिरक्षा भी बढ़ाई जा सकती है । शारीरिक प्रतिरक्षा शक्ति मज़बूत होने से शरीर को विभिन्न बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में मदद मिलती है। अगर आप लंबे समय से किसी बीमारी से जूझ रहे हैं**,** तो औषधीय चाय के सेवन से उसके प्रभाव को कम कर सकते हैं। बेहतर स्वास्थ्य के लिए सामान्य चाय की

collegedunia
India's largest Student Review Platform

अपेक्षा औषधीय गुणों से भरपूर चाय को ही प्राथमिकता देना बुद्धिमानी बतलाया गया है। इसे पीने से शरीर तो स्वस्थ रहता ही है, दिल और दिमाग भी ताज़गी से भरपूर रहता है। यह एक प्रकार से आयुर्वेदिक चाय के रूप में भी जानी जाती है और इसमें कैफीन की मात्रा बिलकुल भी नहीं होती है, जबकि दूसरी चाय व कॉफ़ी में कैफीन की अधिक मात्रा होने से शरीर में कई स्वास्थ्य समस्याएँ जन्म ले लेती हैं और धीरे-धीरे शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने लगता है। औषधीय चाय में ऐसे कई गुण पाए जाते हैं, जिनसे अंदरूनी और बाहरी तौर पर शरीर की सफाई की जा सकती है। शरीर में मौजूद अशुद्धियों को इसके सेवन से काफी हद तक दूर किया जा सकता है। इससे त्वचा का संक्रमण खत्म होता है और त्वचा स्वस्थ भी होती है। अगर नियमित तौर पर हर्बल चाय का सेवन किया जाए, तो मुँहासों की समस्या से भी निजात पाई जा सकती है। यह सोरायसिस और एक्ज़िमा का इलाज करने में भी फायदेमंद है। त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के लिए औषधीय चाय का सेवन किया जा सकता है।
आजकल की व्यस्त और अनियमित जीवन शैली के कारण बहुत से लोग कम उम्र से ही मोटापे का शिकार होने लग जाते हैं। बढ़ते मोटापे के कारण हृदय रोग से लेकर मधुमेह तक कई समस्याएँ हो सकती हैं। वजन घटाने और मोटापा कम करने के लिए इस चाय को काफी लाभदायक माना जाता है। इसमें कुछ ऐसे तत्त्व पाए जाते हैं, जो कैलोरी और वजन को कम करने के लिए मेटाबॉलिज़्म की प्रक्रिया को ठीक करते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का विषय है **:**
(A) औषधीय चाय **:** एक परिचय
(B) औषधीय चाय के प्रकार
(C) औषधीय चाय और सामान्य चाय में अंतर
(D) वर्तमान जीवन में चाय की आवश्यकता

(ii) लोग वर्तमान समय में औषधीय चाय के सेवन की ओर क्यों प्रेरित हो रहे हैं **?**
(A) अधिक मुनाफ़ा होने से
(B) चाय का बाज़ार होने से
(C) आवश्यक पेय होने से
(D) स्वास्थ्य के प्रति सचेत होने से

(iii) वैदिक चाय की विशेषता होती है **:**
(A) प्राकृतिक होना
(C) औषधीय गुणों से युक्त होना
(B) स्वादिष्ट होना
(D) सरलता से उपलब्ध होना

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(iv) हर्बल चाय साधारण चाय से भिन्न कैसे है **?**
(A) अधिक स्वादिष्ट होने से
(B) कैफीन नहीं होने से
(C) अधिक लाभदायक होने से
(D) शरीर की सफाई करने से

(v) गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए **:**
कथन **I :** वैदिक चाय ही 'हर्बल टी' है।
कथन **II :** इससे प्रतिरक्षा तंत्र मज़बूत होता है।
कथन **III :** बेहतर स्वास्थ्य के लिए औषधीय चाय को प्राथमिकता देना अनिवार्य है।
कथन **IV:** इस चाय में स्वाद की कमी होती है।
(A) केवल कथन **I** सही है।
(B) केवल कथन **II** और **III** सही हैं।
(C) केवल कथन **I, II, III** सही हैं।
(D) केवल कथन **I** और **IV** सही हैं।

(vi) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए **:**
कथन **:** वर्तमान समय में जीवन शैली व्यस्त और अनियमित है।
कारण **:** बहुत से लोग मोटापे के शिकार हो जाते हैं।
विकल्प **:**
(A) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।
(B) कथन सही नहीं है, लेकिन कारण सही है।
(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(viii) गद्यांश के आधार पर हृदय रोग और मधुमेह जैसी समस्याओं का मूल कारण क्या है **?**
(A) मोटापे का शिकार होना
(B) अनियमित जीवन शैली होना
(C) भोजन में वसा और चीनी अधिक होना
(D) कसरत और योग का अभाव होना

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ix) शरीर को विभिन्न बीमारियों से बचाया जा सकता है **:**
(A) शारीरिक श्रम को महत्त्व देकर
(B) रोज हर्बल चाय का सेवन कर
(C) शारीरिक प्रतिरक्षा को विकसित कर
(D) दिल, दिमाग को स्वस्थ रख कर

(x) गद्यांश के अनुसार 'सोरायसिस' और 'एक्ज़िमा' रोग का संबंध शरीर के किस भाग से है**?**
(A) पेट
(B) मुँह
(C) दिल
(D) त्वचा

Solution. (i) (A) औषधीय चाय : एक परिचय
गद्यांश औषधीय चाय के गुण, लाभ और उसकी विशेषताओं पर केंद्रित है, जिससे यह 'औषधीय चाय: एक परिचय' के अंतर्गत आता है।

(ii)(D) स्वास्थ्य के प्रति सचेत होने से
गद्यांश में बताया गया है कि लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग हो गए हैं और इसलिए औषधीय चाय का सेवन बढ़ा है।

(iii) (C) औषधीय गुणों से युक्त होना
गद्यांश में बताया गया है कि औषधीय चाय में औषधीय गुण होते हैं और यह सामान्य चाय से भिन्न होती है।

(iv) (B) कैफीन नहीं होने से
गद्यांश के अनुसार हर्बल चाय में कैफीन की मात्रा नहीं होती, जो इसे सामान्य चाय से भिन्न बनाती है।

(v) (B) केवल कथन II और III सही हैं।
कथन I और IV सही नहीं हैं; गद्यांश में कथन II और III के अनुसार हर्बल चाय प्रतिरक्षा तंत्र को मज़बूत करती है और स्वास्थ्य के लिए बेहतर है।

(vi) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

गद्यांश में व्यस्त और अनियमित जीवन शैली के कारण मोटापे और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का संबंध स्पष्ट किया गया है।

(viii) (B) अनियमित जीवन शैली होना
गद्यांश में बताया गया है कि व्यस्त और अनियमित जीवन शैली के कारण मोटापा और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।

(ix) (B) रोज हर्बल चाय का सेवन कर
गद्यांश के अनुसार हर्बल चाय का नियमित सेवन स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है और बीमारियों से बचाव करता है।

(x) (D) त्वचा
गद्यांश में बताया गया है कि औषधीय चाय त्वचा की समस्याओं, जैसे सोरायसिस और एक्ज़िमा, को दूर करने में सहायक है।

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.3 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

मैं जग-जीवन का भार लिए फिरता हूँ, फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ; कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ ! मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ, मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते, मैं अपने मन का गान किया करता हूँ !

(i) 'जग-जीवन का भार' से क्या आशय है ?
(A) व्यक्तिगत जीवन की कठिनाइयाँ
(B) सांसारिक जीवन की समस्याएँ
(C) व्यावहारिक जीवन का संघर्ष
(D) आम जीवन की जद्दोजहद

(ii) कवि सांसारिक प्रेम का आधार किसे मानता है ?
(A) त्याग
(B) स्वार्थ
(C) सहयोग

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(D) प्रशंसा

(iii) **'साँसों के तार'** से कवि का क्या तात्पर्य है**?**
(A) प्रेम
(B) संवेदना
(C) चाहत
(D) समर्पण

(iv) प्रस्तुत काव्यांश से कवि के बारे में पता चलता है कि **:**
कथन **I :** कवि संवेदनशील है।
कथन **II :** प्रेम ही कवि के लिए प्रमुख है।
कथन **III:** प्रेम के सामने संसार का महत्त्व नहीं है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं **?**
(A) कथन **I** और **III** सही हैं।
(B) कथन **I** ग़लत है और कथन **II, III** सही हैं।
(C) कथन **I, II** और **III** सही हैं।
(D) कथन **I** और **II** सही हैं।

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए **:**
कथन **:** संसार से निरपेक्ष रहने वाला कवि जग-जीवन का भार लिए फिरता है।
कारण **:** दुनिया अपने व्यंग्य बाणों से और शासन-प्रशासन से चाहे कितना कष्ट दे, पर दुनिया से कटकर मनुष्य रह भी नहीं पाता।
विकल्प **:**
(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
(B) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
© कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

Solution. (i) (B) सांसारिक जीवन की समस्याएँ
कवि 'जग-जीवन का भार' से सांसारिक जीवन की समस्याओं और कठिनाइयों का आशय लेते हैं, जिन्हें वह अपने जीवन में ढोते हैं।

(ii) (A) त्याग

collegedunia
India's largest Student Review Platform

कवि के अनुसार, सांसारिक प्रेम का आधार त्याग है, जो प्रेम की वास्तविकता को दर्शाता है, न कि स्वार्थ, सहयोग, या प्रशंसा।

(iii) (B) संवेदना
कवि 'साँसों के तार' से संवेदना का तात्पर्य लेते हैं, जो उनकी आत्मिक अनुभूतियों और गहरी भावनाओं को दर्शाता है।

(iv) (C) कथन I, II और III सही हैं।
काव्यांश से यह स्पष्ट होता है कि कवि संवेदनशील है, प्रेम उसके लिए सबसे प्रमुख है, और संसार के सामने प्रेम की महत्ता अधिक है।

(v) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।**
कथन और कारण दोनों सही हैं क्योंकि कवि संसार के भार को महसूस करता है, जबकि कारण यह बताता है कि भले ही कवि संसार से भागना चाहता है, वह पूरी तरह से उससे कट नहीं सकता।

Q.4 निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्भुत अवधूत है। दुःख हो या सुख, वह हार नहीं मानता । न ऊधो का लेना, न माधो का देना। जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं। मौज में आठों याम मस्त रहते हैं। एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है, जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है। ज़रूर खींचता होगा। नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं। कबीर बहुत-कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवा, पर सरस और मादक ।

(i) गद्यांश का केन्द्रीय भाव है :
(A) कबीर का परिचय
(B) शिरीष की विशेषता
(C) शिरीष की उपयोगिता
(D) शिरीष का प्रभाव

(ii) शिरीष को अद्भुत कहा गया है :

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(A) हँसते मुस्कुराते रहने के कारण
(B) कठिनाइयों में अडिग रहने के कारण
(C) दुःख-सुख में सम भाव से रहने के कारण
(D) भयंकर गरमी को झेलने के कारण

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए।
(A) शिरीष वायुमंडल से भोग्य पदार्थ ग्रहण करता है।
(B) शिरीष एक हरा-भरा पौधा है।
(C) शिरीष पाताल की गहराइयों से रस प्राप्त करता है।
(D) शिरीष वनस्पतिशास्त्री का प्रिय पौधा है।

(iv) **"न ऊधो का लेना, न माधो का देना"** का आशय है **:**
(A) सदैव प्रसन्न रहना
(B) क्रय-विक्रय न करना
(C) लेन-देन का कार्य न करना
(D) निर्लिप्त भाव से जीवन जीना

(v) **"मौज में आठो याम मस्त रहते हैं"** पंक्ति में प्रयुक्त **'याम'** शब्द से आप क्या समझते हैं **? -**
(A) मिनट
(B) घंटा
(C) दिन
(D) पहर

Solution.(i) (B) शिरीष की विशेषता
गद्यांश में शिरीष के अद्भुत गुणों और उसकी विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जैसे कि उसकी कठिनाइयों में भी अडिग रहने की क्षमता और वायुमंडल से रस खींचने की क्षमता।

(ii) (C) दुःख-सुख में सम भाव से रहने के कारण
शिरीष को अद्भुत इसलिए कहा गया है क्योंकि वह हर स्थिति में, चाहे दुःख हो या सुख, समान भाव से रहता है और हार नहीं मानता।

(iii) (A) शिरीष वायुमंडल से भोग्य पदार्थ ग्रहण करता है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

गद्यांश में बताया गया है कि शिरीष वायुमंडल से अपना रस खींचता है, जो इस विकल्प के अनुसार सही है।

(iv) (D) निर्लिप्त भाव से जीवन जीना
इस वाक्यांश का आशय यह है कि शिरीष न किसी से कुछ लेता है और न ही किसी को कुछ देता है, अर्थात् वह जीवन को निर्लिप्त भाव से जीता है।

(v) (B) घंटा
'याम' शब्द का अर्थ 'घंटा' होता है, जिससे यह दर्शाया जाता है कि शिरीष हर घंटे मस्त और मौज में रहता है।

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.5 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) घर में दावत चलते समय यशोधर बाबू संध्या करने क्यों चले गए **?**
(A) प्रभु का आशीर्वाद लेने के लिए
(B) शोर-शराबे से बचने के लिए
(C) प्रभु का धन्यवाद व्यक्त करने के लिए
(D) पार्टी से बचने के लिए

(ii) सिन्धु का इलाका किससे मिलता-जुलता है **?**
(A) बाड़मेर से
(B) राजस्थान से
(C) जैसलमेर से
(D) बीकानेर से

(iii) बसंत पाटील को लेखक द्वारा मित्र बनाए जाने का कारण नहीं है **:**
(A) वह मेधावी था
(B) उसका शांत स्वभाव था
(C) वह कक्षा का मॉनिटर था
(D) वह बड़ी जाति से था

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(iv) कुंड में पानी के प्रबंध हेतु किसकी व्यवस्था थी **?**
(A) नहर की
(B) तालाब की
(C) कुएँ की
(D) नदियों की

(v) दफ़्तर से निकलकर यशोधर बाबू कहाँ चले जाते थे **?**
(A) क्वार्टर में
(B) बिरला मंदिर में
(C) गोल मार्केट में
(D) पार्क में

(vi) **'जूझ'** कहानी का नायक आनंदा कक्षा में चहवाण के लड़के द्वारा गमछा छीने जाने पर रुआँसा क्यों हो गया **?**
(A) गमछे के फट जाने के कारण
(B) कक्षा के छात्रों के हँसने के कारण
(C) गमछा फट जाने के संभावित भय के कारण
(D) पिता द्वारा की जाने वाली संभावित पिटाई के कारण

(vii) छोटे टीलों पर बनी बस्ती को क्या कहकर पुकारा जाता था **?**
(A) नीचे क्षेत्र
(B) नीचा घर
(C) नीचा नगर
(D) पुराना घर

(viii) लेखक के पिता गाँव में सबसे पहले कोल्हू क्यों चलाते थे **?**
(A) काम खत्म करने के लिए
(B) पैसा बचाने के लिए
(C) बच्चे पर शासन के लिए
(D) ईख की अच्छी कीमत के लिए
(ix) मूल संस्कारों से आधुनिका न होते हुए यशोधर बाबू की पत्नी के आधुनिका बनने का कारण इनमें से नहीं है **:**
(A) बच्चों का पढ़-लिखकर ऊँचा वेतनमान पाना
(B) संयुक्त परिवार में पति द्वारा कभी पक्ष न लिया जाना
(C) बच्चों की तरफदारी करने की मातृसुलभ मजबूरी

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(D) संयुक्त परिवार में आचार-व्यवहार के बंधनों में रहना

(x) यशोधर बाबू चाहते थे कि उनके बच्चे **:**
(A) दफ़्तर पैदल जाएँ
(C) उनसे पूछ कर काम करें
(B) पैसा खर्च करें
(D) अपना निर्णय स्वयं लें

Solution. (i)(B) शोर-शराबे से बचने के लिए
यशोधर बाबू ने दावत के शोर-शराबे से बचने के लिए संध्या करने का निर्णय लिया था।

(ii) (A) बाड़मेर से
सिन्धु का इलाका बाड़मेर से मिलता-जुलता है।

(iii)(D) वह बड़ी जाति से था
लेखक ने बसंत पाटील को मित्र इसलिए नहीं बनाया कि वह बड़ी जाति से था, बल्कि उसकी मेधावी और शांत स्वभाव की वजह से।

(iv) (C) कुएँ की
कुंड में पानी के प्रबंध के लिए कुएँ की व्यवस्था की गई थी।

(v) (B) बिरला मंदिर में
यशोधर बाबू दफ़्तर से निकलकर बिरला मंदिर में चले जाते थे।

(vi)(D) पिता द्वारा की जाने वाली संभावित पिटाई के कारण**
आनंदा अपने गमछे के छीने जाने पर पिता द्वारा संभावित पिटाई के डर से रुआँसा हो गया।

(vii) (C) नीचा नगर
छोटे टीलों पर बनी बस्ती को 'नीचा नगर' कहकर पुकारा जाता था।

(viii) (D) ईख की अच्छी कीमत के लिए
लेखक के पिता ने गाँव में सबसे पहले कोल्हू चलाया ताकि ईख की अच्छी कीमत प्राप्त की जा सके।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ix)(A) बच्चों का पढ़-लिखकर ऊँचा वेतनमान पाना
यशोधर बाबू की पत्नी के आधुनिका बनने का कारण बच्चों का पढ़-लिखकर ऊँचा वेतनमान पाना नहीं है।

(x) (D) अपना निर्णय स्वयं लें
यशोधर बाबू चाहते थे कि उनके बच्चे अपने निर्णय स्वयं लें।

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5x1=5**
(i) मुद्रित माध्यमों में लोकप्रिय लेखकों के लेखों की नियमित श्रृंखला कही जाती है :
(A) स्तंभ लेखन
(B) समाचार लेखन
(C) सूचना लेखन
(D) सृजनात्मक लेखन

(ii) आर्थिक पत्रकारिता से जुड़े पत्रकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती है :
(A) इस क्षेत्र से जुड़ी तकनीकी शब्दावली को समझना
(B) इस क्षेत्र से जुड़ी तकनीकी शब्दावली का प्रयोग करना
(C) देश की अर्थव्यवस्था का ठीक से विश्लेषण करना
(D) इस क्षेत्र से जुड़ी शब्दावली को पाठक वर्ग के समझने लायक बनाना

(iii) पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं **?**
(A) एक
(B) दो
(C) तीन
(D) चार

(iv) पत्रकारिता का मूल तत्व है :
(A) सूचना देना
(B) प्रेरणा देना
(C) ख़बर छापना
(D) मनोरंजन करना

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(v) संचार प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा कहलाती है **:**
(A) बाधा
(B) शोर
(C) अवरोध
(D) रुकावट

Solution. (i) (A) स्तंभ लेखन
यह नियमित रूप से प्रकाशित लेखों की श्रृंखला होती है जिसमें लेखक नियमित रूप से अपने विचार प्रस्तुत करता है।

(ii) (D) इस क्षेत्र से जुड़ी शब्दावली को पाठक वर्ग के समझने लायक बनाना
आर्थिक पत्रकारिता में, पत्रकार की चुनौती होती है कि वह जटिल शब्दावली को सरल और समझने योग्य बनाकर प्रस्तुत करे।

(iii) (D) चार
सामान्यतः पत्रकारों को विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है, जैसे समाचार पत्रकार, विशेष विषय के पत्रकार, संपादक, और रिपोर्टर।

(iv) (A) सूचना देना
पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य जानकारी और समाचार प्रदान करना होता है।

(v) (C) अवरोध
संचार प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा या रुकावट को अवरोध कहा जाता है।

खण्ड ब
(वर्णनात्मक प्रश्न)

Q.7. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग **120** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए **:**
(क) ट्रेन में प्रिय लेखक से भेंट
(ख) स्कूल से छुट्टी के समय अचानक बारिश का होना
(ग) वृक्षारोपण का एक दिन

Solution. (क) ट्रेन में प्रिय लेखक से भेंट

collegedunia
India's largest Student Review Platform

मेरी यात्रा का अनुभव एक अविस्मरणीय घटना से सजीव हो गया जब मैं एक ट्रेन यात्रा पर था। मेरी सीट के सामने ही एक बुजुर्ग सज्जन बैठे थे, जिनकी नजरें एक पुरानी किताब पर स्थिर थीं। थोड़ी देर बाद, मैंने देखा कि वे कोई प्रसिद्ध लेखक, जिनका मैं लंबे समय से प्रशंसक था, हैं। दिल की धड़कनें तेज हो गईं। हिम्मत जुटाकर, मैंने उनसे परिचय प्राप्त किया और अपने आदर के शब्द व्यक्त किए। उन्होंने मेरी बातों को बड़ी विनम्रता से सुना और मुझे उनके लेखन के बारे में अनकही कहानियाँ सुनाईं। इस छोटे से वार्तालाप ने मेरे जीवन को एक नई दिशा दी और मुझे यह महसूस कराया कि महान लेखक केवल किताबों में नहीं, बल्कि आम जिंदगी में भी अद्भुत होते हैं।

(ख) स्कूल से छुट्टी के समय अचानक बारिश का होना

आज स्कूल से छुट्टी का समय आ गया था, और मैं दोस्तों के साथ बाहर जाने की योजना बना रहा था कि अचानक घने काले बादल आ गए। तेज हवा के साथ पहली बूँदें गिरीं, और चंद मिनटों में ही बारिश का सिलसिला शुरू हो गया। रेत के कणों से भरी सड़कें माटी से सजी दिखने लगीं। कक्षा के दरवाजे के पास खड़े होकर, हमने बारिश का आनंद लिया, जैसे प्रकृति ने हमें अपने झरनों से नहलाया हो। बारिश की ठंडी बूँदों ने हमारी गर्मी को भुला दिया और मन को शीतलता प्रदान की। यह अचानक बारिश एक अद्भुत अनुभव बन गई, जिससे हमें जीवन के सरल सुखों का एहसास हुआ और एक यादगार दिन बिताने का मौका मिला।

(ग) वृक्षारोपण का एक दिन

आज हम सभी ने मिलकर गाँव में वृक्षारोपण का दिन मनाने का निर्णय लिया। सुबह-सुबह, हमने पौधों और वृक्षों के छोटे-छोटे पौधे इकट्ठा किए और गाँव के विभिन्न हिस्सों में लगाने के लिए तैयार हुए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खुदाई की गई मिट्टी में पौधे रोपे गए और प्रत्येक व्यक्ति ने उस पौधे के लिए एक शुभकामना लिखी। पूरे दिन की मेहनत के बाद, गाँव में हरियाली का नजारा दिखने लगा। यह दिन हमें सिखाता है कि प्रकृति की रक्षा करने के लिए हमें मिलकर प्रयास करना चाहिए। वृक्षारोपण के इस दिन ने हमें पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास दिलाया और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा गाँव छोड़ने की प्रेरणा दी।

Q.8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग **40** शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर लिखिए **:**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(i)(क) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय पात्रों के मनोभावों को, द्वंद्वों को किस प्रकार प्रस्तुत किया जा सकता है **?**
अथवा

Solution. कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय पात्रों के मनोभावों और द्वंद्वों को प्रस्तुत करने के लिए संवाद और अभिनय का विशेष ध्यान रखना चाहिए। संवादों को भावनात्मक और तनावपूर्ण बनाना आवश्यक है, ताकि दर्शक पात्रों के अंतर्मन की गहराई को महसूस कर सकें। अभिनय के दौरान शारीरिक हाव-भाव, चेहरे की अभिव्यक्तियाँ, और आवाज़ की उतार-चढ़ाव का उपयोग करके पात्रों के आंतरिक संघर्ष और द्वंद्व को स्पष्ट रूप से दिखाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, मंच सजावट और प्रकाश व्यवस्था भी भावनात्मक प्रभाव को बढ़ाने में सहायक हो सकती है।

(ख) **'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप'** पाठ के आधार पर रावण और कुंभकरण के बीच हुए संवाद को दृश्य के रूप में प्रस्तुत कीजिए।

Solution. दृश्य: रावण और कुंभकरण के बीच संवाद

स्थान: रावण का दरबार, लंका। रात का समय है। रावण की महल की सजावट और रात्रि की घनी चुप्पी ने वातावरण को गंभीर बना दिया है। रावण, एक भव्य सिंहासन पर बैठा है, और कुंभकरण, एक विशालकाय पलंग पर लेटा हुआ है। रावण के चेहरे पर चिंता की लकीरें हैं, जबकि कुंभकरण का चेहरा थका हुआ और चिंता से ग्रस्त दिख रहा है।

रावण:(गहरी चिंता और दर्द के साथ) "कुंभकरण, यह क्या हो गया है? लक्ष्मण की मूर्छा ने हमारे सैन्य को हिला कर रख दिया है। हमारे कितने योद्धा घायल हो गए हैं, और राम का विलाप तो हमारे अंत का संकेत हो सकता है।"

कुंभकरण: (धीमे और गंभीर स्वर में) "भाई, यह समय बहुत कठिन है। लक्ष्मण की मूर्छा ने वास्तव में एक नई स्थिति उत्पन्न कर दी है। हमें इस संकट का समाधान ढूंढना होगा, वरना हमारा साम्राज्य खतरे में पड़ जाएगा।"

रावण (आक्रोशित और चिंतित स्वर में) "राम और लक्ष्मण ने हमारे साम्राज्य को चुनौती दी है। हमें इस संकट से उबरने के लिए कोई रणनीति बनानी होगी। क्या हमें और बल भेजने की आवश्यकता है?"

collegedunia
India's largest Student Review Platform

कुंभकरण: (विचार में खोया हुआ) "हमारी सेनाएँ और अधिक बल से भी इसका समाधान नहीं हो सकता। हमें युद्ध के मोर्चे पर नयी रणनीति अपनानी होगी। लक्ष्मण की मूर्छा ने हमें दिखाया है कि हमें सिर्फ बल की नहीं, बल्कि बुद्धि की भी आवश्यकता है।"

रावण: (थोड़ा शांत होकर) "तुम्हारी बात सही है। हमें सोचना होगा कि राम और लक्ष्मण की स्थिति को कैसे बदलें। हमें अपने युद्ध रणनीति को नए सिरे से देखना होगा।"

कुंभकरण: (सहमति में) "हां, हमें अपने बुद्धि और शक्ति को संयोजित करके एक नया रास्ता निकालना होगा। यह समय केवल युद्ध नहीं, बल्कि सही निर्णय लेने का भी है।"

रावण: (उत्साह और आत्मविश्वास के साथ) "ठीक है, कुंभकरण। हम इस चुनौती का सामना करेंगे। तुम्हारे साथ मिलकर हम इस संकट से उबरेंगे और अपने साम्राज्य को बचाएंगे।"

कुंभकरण: (सहमत होकर) "हमारा साम्राज्य, हमारी जिम्मेदारी है। हम इसे बचाने के लिए पूरी ताकत और रणनीति के साथ जुटेंगे।"

दृश्य समाप्त होता है। इस दृश्य में रावण और कुंभकरण की बातचीत दर्शाती है कि वे अपनी समस्याओं को समझने और समाधान निकालने के लिए गंभीरता से सोच रहे हैं। रावण की चिंता और कुंभकरण की सोच-समझ उनकी रणनीतिक स्थिति और साम्राज्य की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

(ii)(क) रेडियो नाटक की तुलना में सिनेमा और रंगमंच की लोकप्रियता का क्या कारण है**?**
अथवा
Solution. रेडियो नाटक की तुलना में सिनेमा और रंगमंच की लोकप्रियता का कारण

सिनेमा और रंगमंच की लोकप्रियता का कारण कई पहलुओं से जुड़ा हुआ है जो रेडियो नाटक से भिन्न हैं:

1.दृश्य और श्रव्य अनुभव: सिनेमा और रंगमंच दर्शकों को दृश्य और श्रव्य दोनों अनुभव प्रदान करते हैं। सिनेमा में चलचित्र, विशेष प्रभाव, और रंगीन दृश्य होते हैं, जबकि रंगमंच पर लाइव अभिनय और सेट डिजाइन दर्शकों को एक जीवंत अनुभव देते हैं। इसके

collegedunia
India's largest Student Review Platform

विपरीत, रेडियो नाटक केवल श्रव्य अनुभव प्रदान करता है, जो दृश्य कल्पना पर निर्भर करता है।

2.भव्यता और प्रस्तुति: सिनेमा में अत्याधुनिक तकनीक, महंगे सेट और प्रभावशाली दृश्य होते हैं जो दर्शकों को भव्यता और चमक प्रदान करते हैं। रंगमंच पर भी, लाइव प्रदर्शन, अभिनेता की जीवंतता और सेट डिज़ाइन दर्शकों को विशेष अनुभव प्रदान करते हैं। रेडियो नाटक में यह भव्यता और प्रस्तुति की कमी होती है।

3. सामाजिक और सांस्कृतिक इंटरेक्शन: सिनेमा और रंगमंच एक सामाजिक अनुभव होते हैं जहां लोग एक साथ बैठते हैं और प्रदर्शन का आनंद लेते हैं। यह सामूहिक अनुभव, सामाजिक संपर्क और सांस्कृतिक इंटरेक्शन को बढ़ावा देता है। रेडियो नाटक, जो आमतौर पर व्यक्तिगत सुनने का अनुभव होता है, इस प्रकार के सामाजिक जुड़ाव को कम करता है।

4. तकनीकी प्रगति और आकर्षण: सिनेमा और रंगमंच तकनीकी प्रगति के साथ लगातार विकसित हो रहे हैं, जिसमें 3D, वीएफएक्स (विशेष प्रभाव) और लाइव प्रदर्शन शामिल हैं। ये तकनीकी नवाचार दर्शकों को एक नया और रोमांचक अनुभव प्रदान करते हैं। रेडियो नाटक, हालांकि प्रभावशाली हो सकता है, तकनीकी दृष्टिकोण से उतना आकर्षक नहीं होता।

इन कारणों से, सिनेमा और रंगमंच ने रेडियो नाटक की तुलना में अधिक लोकप्रियता प्राप्त की है, क्योंकि वे दर्शकों को एक समग्र और बहु-आयामी अनुभव प्रदान करते हैं।

(ख) अप्रत्याशित लेखन में किन बातों का ध्यान रखा जाता है **?**

Solution. अप्रत्याशित लेखन में ध्यान देने योग्य बातें:

1. सृजनात्मकता: अप्रत्याशित लेखन में नई और अनूठी विचारधारा की आवश्यकता होती है। लेखक को नए दृष्टिकोण और विचार प्रस्तुत करने की क्षमता रखनी चाहिए।

2. ताजगी और नवीनता: पाठकों को चकित करने और उनकी रुचि बनाए रखने के लिए लेखन में ताजगी और नवीनता जरूरी है। सामान्य से हटकर और सोचने पर मजबूर करने वाले विचार प्रस्तुत करने चाहिए।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

3. पढ़ने वाले के साथ संपर्क: अप्रत्याशित लेखन में पाठकों के साथ एक गहरा संबंध स्थापित करना होता है। इससे पाठक की रुचि बनाए रखने और उन्हें सोचने पर मजबूर करने में मदद मिलती है।

4. आश्चर्यजनक तत्व: लेखन में ऐसे तत्व शामिल करना चाहिए जो पाठक को आश्चर्यचकित करें। यह असामान्य घटनाएँ, अप्रत्याशित मोड़ या नए दृष्टिकोण हो सकते हैं।

5. स्पष्टता और संक्षिप्तता: विचार चाहे कितने भी अनूठे हों, वे स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इससे पाठक आसानी से समझ पाएंगे और लेखन की प्रभावशीलता बढ़ेगी।

6. विवादास्पद या चुनौतीपूर्ण विचार: अप्रत्याशित लेखन में कभी-कभी विवादास्पद या चुनौतीपूर्ण विचार शामिल किए जा सकते हैं जो पाठक को सोचने पर मजबूर करें और बातचीत को प्रेरित करें।

इन बातों का ध्यान रखकर अप्रत्याशित लेखन किया जा सकता है, जो पाठकों को नई सोच और दृष्टिकोण प्रदान करता है।

Q.9 निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **:**

(क) संपादकीय लेखन की विशेषताएँ लिखते हुए यह भी स्पष्ट कीजिए कि समाचार-पत्रों में यह किसका दायित्व होता है।

Solution. संपादकीय लेखन की विशेषताएँ और दायित्व:

संपादकीय लेखन में प्रमुख रूप से निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं:

1. विवेचनात्मक दृष्टिकोण: संपादकीय लेख व्यक्तिगत या सामयिक मुद्दों पर विस्तृत और गहराई से विश्लेषण प्रस्तुत करता है, जिससे पाठकों को विषय की व्यापक समझ मिलती है।

2. विचारों की स्पष्टता: इसमें लेखक अपने विचारों को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करता है, ताकि पाठक आसानी से समझ सकें और उन पर विचार कर सकें।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

3. समाजिक और राजनैतिक परिप्रेक्ष्य: संपादकीय लेख समाज और राजनीति से संबंधित मुद्दों पर विचार करता है और समाज में सुधार की दिशा में सुझाव प्रस्तुत करता है।

4.समीक्षा और आलोचना: इसमें मौजूदा नीतियों, घटनाओं, या व्यक्तियों की समीक्षा और आलोचना की जाती है, जिससे विचारों का आदान-प्रदान होता है।

समाचार-पत्रों में संपादकीय लेखन का दायित्व संपादक का होता है। संपादक न केवल विषय का चयन करता है बल्कि लेख की दिशा और दृष्टिकोण को निर्धारित करता है। संपादकीय लेखन के माध्यम से वह पाठकों को विचारशील सामग्री प्रदान करता है और समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करता है।

(ख) पत्रकारीय लेखन क्या है**?** इसके लेखक को सदैव सहज**,** सरल और रोचक भाषा का प्रयोग क्यों करना चाहिए **?**

Solution. पत्रकारीय लेखन और भाषा के चयन का महत्व:

पत्रकारीय लेखन ऐसी लेखन विधि है जिसका उद्देश्य समाचार, जानकारी, और विश्लेषण को पाठकों तक स्पष्ट और प्रभावी तरीके से पहुँचाना होता है। इसमें मुख्यतः समाचार लेखन, फीचर लेखन, और संपादकीय लेखन शामिल हैं। यह लेखन शैली तात्कालिकता, सटीकता, और पठनीयता पर जोर देती है।

सहज, सरल और रोचक भाषा का प्रयोग करने की आवश्यकता निम्नलिखित कारणों से है:

1. पाठक की समझ: सरल भाषा से पाठक आसानी से जानकारी को समझ सकते हैं। जटिल शब्दों और वाक्यों से पाठक की रुचि घट सकती है और संदेश स्पष्ट नहीं होता।

2. ध्यान आकर्षित करना: रोचक भाषा पाठक की रुचि बनाए रखती है और उन्हें लेख के अंत तक बनाए रखती है। इससे सूचना को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है।

3.सामान्य जन के लिए पहुँच: पत्रकारीय लेखन का उद्देश्य व्यापक पाठक वर्ग को जानकारी प्रदान करना है। आसान भाषा से लेख सभी वर्गों और शैक्षिक स्तर के लोगों के लिए समझ में आता है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

4. सटीकता: सहज भाषा से सूचना सटीक और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत की जाती है, जिससे संभावित भ्रांतियों को कम किया जा सकता है।

इसलिए, पत्रकारीय लेखन में सहज, सरल, और रोचक भाषा का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है ताकि पाठक को जानकारी स्पष्ट और दिलचस्प रूप में प्राप्त हो सके।

(ग) फ़ीचर लेखन के स्वरूप पर विचार व्यक्त कीजिए।

Solution. फ़ीचर लेखन के स्वरूप पर विचार:

फ़ीचर लेखन पत्रकारिता की एक महत्वपूर्ण विधा है जो समाचारों से परे जाकर गहराई से विश्लेषण करती है। इसका उद्देश्य किसी विषय को पाठकों के लिए अधिक रोचक, सूचनात्मक और विचारोत्तेजक तरीके से प्रस्तुत करना है। इसके स्वरूप पर विचार करते हुए निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखा जा सकता है:

1. विस्तृत विश्लेषण: फ़ीचर लेखन किसी विषय का व्यापक और गहन विश्लेषण प्रदान करता है। इसमें विषय की पृष्ठभूमि, कारण और प्रभावों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

2. मानव तत्व: इसमें व्यक्तिगत कहानियाँ, साक्षात्कार और अनुभवों को शामिल किया जाता है। इससे लेख अधिक मानवीय और व्यक्तिगत बनता है, जो पाठकों से बेहतर संबंध स्थापित करता है।

3. रचनात्मकता: फ़ीचर लेखन में अधिक रचनात्मकता और कहानी कहने की शैली का उपयोग किया जाता है। इसमें शैली, भाषा और दृष्टिकोण पर ध्यान दिया जाता है, जो लेख को अधिक आकर्षक बनाता है।

4. विभिन्न स्वरूप: फ़ीचर लेखन विभिन्न स्वरूपों में हो सकता है जैसे कि ट्रेंड रिपोर्ट, प्रोफाइल, ऐतिहासिक विश्लेषण, या सामाजिक मुद्दों पर गहराई से चर्चा।

5.विशेष दृष्टिकोण: लेखक का व्यक्तिगत दृष्टिकोण और टिप्पणी फ़ीचर लेख को विशिष्ट और आकर्षक बनाते हैं। इसमें लेखक की आवाज़ और दृष्टिकोण को प्रमुखता दी जाती है।

6.विवरणात्मकता: फ़ीचर लेखन में विस्तृत और सटीक विवरण पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे पाठक को पूरा संदर्भ समझने में मदद मिलती है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

इन सभी तत्वों के माध्यम से फ़ीचर लेखन पाठकों को एक समृद्ध और सूचनात्मक अनुभव प्रदान करता है, जो केवल समाचार लेखन से परे जाकर उन्हें गहरे और सोचने पर मजबूर करने वाले दृष्टिकोण प्रदान करता है।

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **:**

(क) दुर्बल से दुर्बल व्यक्ति भी अपने दुख को सबके सामने दिखाना उचित नहीं समझता । 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर लिखिए।

Solution. 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर उत्तर:
कविता 'कैमरे में बंद अपाहिज' में कवि ने व्यक्त किया है कि दुर्बल और अपाहिज व्यक्ति भी अपने दुख को सार्वजनिक रूप से प्रकट करना पसंद नहीं करता। यह कविता इस विचार को उजागर करती है कि व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत पीड़ा और कमजोरी को सामने लाने से हिचकिचाता है, क्योंकि वह सम्मान और आत्मगौरव बनाए रखना चाहता है। सामाजिक अपमान और दया की भावना से बचने के लिए, वह अपने दुख को छुपाना ही पसंद करता है। इस प्रकार, कविता इस भावनात्मक जटिलता को चित्रित करती है कि कैसे समाज के दृष्टिकोण और स्वाभिमान के कारण एक व्यक्ति अपनी कमजोरी को छिपाता है।

(ख) तुलसीदास ने अपने युग की जिस दुर्दशा का चित्रण **'कवितावली'** अंश में किया है**,** उसे अपने शब्दों में लिखिए।

Solution. 'कवितावली' अंश में युग की दुर्दशा का चित्रण:

तुलसीदास ने 'कवितावली' में अपने युग की दुर्दशा का चित्रण करते हुए समाज की सामाजिक और नैतिक गिरावट को उजागर किया है। उन्होंने देखा कि लोग स्वार्थ और लालच में अंधे हो गए हैं, धर्म और सत्य की धज्जियाँ उड़ रही हैं। पाखंड और आडंबर ने समाज में जगह बना ली है, जिससे सत्य और सद्गुणों की उपेक्षा हो रही है। धन और शक्ति के दुरुपयोग ने समाज में असमानता और अन्याय को जन्म दिया है। तुलसीदास ने इन समस्याओं की गंभीरता को समझते हुए कविताओं के माध्यम से समाज के पतन की ओर संकेत किया और सुधार की आवश्यकता को रेखांकित किया।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ग) 'उषा' कविता के आधार पर सूर्योदय के साथ टूटने वाले जादू को स्पष्ट कीजिए।

Solution. 'उषा' कविता में सूर्योदय के साथ टूटने वाले जादू का स्पष्टिकरण:

'उषा' कविता में सूर्योदय के साथ टूटने वाले जादू से तात्पर्य है कि रात की रहस्यमय और जादुई स्थिति सूरज की पहली किरणों के साथ समाप्त हो जाती है। रात्रि के अंधकार में सपनों और कल्पनाओं का एक अदृश्य जादू चलता रहता है, जो हमें आकर्षित करता है। जैसे ही सूरज उगता है, वह जादू टूट जाता है और वास्तविकता का प्रकाश फैल जाता है। सूरज की किरणें रात की माया को समाप्त कर देती हैं, और एक नई, स्पष्ट और सच्ची सुबह का आगाज़ होता है। इस परिवर्तन से रात का रहस्य समाप्त होता है और दिन की ताजगी और वास्तविकता सामने आती है।

Q.11 काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:**

(क) **'**कवितावली**'** के छंद के आधार पर लिखिए कि पेट की आग से क्या तात्पर्य है। उसकी तुलना 'बड़वाग्नि' से क्यों की गई है **?**

Solution. 'कवितावली' के छंद में पेट की आग का तात्पर्य और बड़वाग्नि की तुलना:

पेट की आग से तात्पर्य है उस भयंकर भूख और जीवन की आवश्यकताओं की ज्वाला से, जो व्यक्ति को निरंतर परेशान करती है। यह आग पेट की निरंतर मांग को दर्शाती है, जो कभी शांत नहीं होती और व्यक्ति को निरंतर कष्ट देती है।

'बड़वाग्नि' से तुलना करने का कारण यह है कि जैसे बड़वाग्नि (विशाल अग्नि) सब कुछ भस्म कर देती है और उसका प्रचंड रूप सबको त्रस्त करता है, उसी प्रकार पेट की आग भी व्यक्ति की मानसिक शांति और सुख को चुराती है। बड़वाग्नि का विनाशकारी प्रभाव पेट की आग के निरंतर और असंतोषजनक अनुभव से मेल खाता है, जो व्यक्ति को अंततः दीन-हीन और परेशान कर देता है। इस तुलना से यह स्पष्ट होता है कि पेट की आग का प्रभाव भी उतना ही गंभीर और विनाशकारी होता है, जितना बड़वाग्नि का।

(ख) **'**कैमरे में बंद अपाहिज**'** कविता से उद्धृत पंक्ति **"**हम पूछ-पूछकर उसको रुला देंगे**"** में कैसा भाव निहित है **?** इस कथन से मीडियाकर्मियों के विषय में क्या पता चलता है **?**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

Solution. "हम पूछ-पूछकर उसको रुला देंगे" पंक्ति में निम्नलिखित भाव निहित हैं:

1. संवेदनहीनता और शोषण: यह पंक्ति दर्शाती है कि कुछ लोग या मीडिया के प्रतिनिधि पीड़ित या असहाय व्यक्तियों की भावनाओं की कद्र नहीं करते। वे सिर्फ़ सच्चाई का पता लगाने या सनसनीखेज़ सामग्री प्राप्त करने के लिए उनके दुख को भड़काते हैं।

2. दूसरों के दर्द का उपभोग: यहाँ 'रुलाना' शब्द का प्रयोग इस भाव को उजागर करता है कि ये लोग पीड़ित की तकलीफ को अपनी सुविधा और लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं, बिना यह सोचें कि इससे पीड़ित व्यक्ति पर और अधिक मानसिक बोझ पड़ेगा।

मीडियाकर्मियों के विषय में इस कथन से पता चलता है:

संपादकीय और संवेदनशीलता की कमी: कुछ मीडियाकर्मी, विशेषकर वे जो सनसनीखेज़ खबरें बनाने के लिए जाने जाते हैं, वे पीड़ितों की भावनाओं की कद्र नहीं करते और उनके दर्द का शोषण कर खबरों में तूल देते हैं।

पेशेवर और नैतिकता का टकराव: इस प्रकार की पत्रकारिता दर्शाती है कि कुछ मीडियाकर्मी पेशेवर लक्ष्यों के लिए नैतिकता को छोड़ सकते हैं, जिससे पीड़ितों के निजी दुःख और भावनाओं की अनदेखी होती है।

कविता इस प्रवृत्ति की आलोचना करती है और मीडियाकर्मियों से अपेक्षित संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की आवश्यकता पर जोर देती है।

(ग)'तिरती है समीर-सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया**' -**
'बादल राग**'** कविता की इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

Solution. "तिरती है समीर-सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया"

'बादल राग' कविता की इस पंक्ति का भाव निम्नलिखित है:

1. सुख और दुःख की अनिश्चितता: यह पंक्ति दर्शाती है कि सुख और दुःख की स्थिति जीवन में अस्थिर होती है। जैसे समीर (हवा) और सागर (समुद्र) पर लहरें तिरकती हैं, वैसे

collegedunia
India's largest Student Review Platform

ही सुख और दुःख भी जीवन में लगातार बदलते रहते हैं। सुख की स्थिति भी स्थायी नहीं होती और उस पर दुःख की छाया बनी रहती है।

2. भावनात्मक अस्थिरता: कवि यह व्यक्त कर रहा है कि सुख और दुःख के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन होता है। एक पल सुख का अनुभव होता है, लेकिन उसी पर दुःख की छाया हमेशा मौजूद रहती है।

3.जीवन की अनिश्चितता: इस पंक्ति के माध्यम से कवि जीवन की अनिश्चितता और उसकी चंचलता को उजागर करता है। सुख और दुःख की यह स्थिति जीवन के अनिवार्य पहलू हैं, जो एक दूसरे के साथ हमेशा जुड़े रहते हैं।

कवि इस प्रकार की भावनात्मक स्थिति को चित्रित करते हुए जीवन की जटिलताओं और भावनात्मक अस्थिरता को व्यक्त कर रहे हैं।

Q.12 गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **:**

(क) भक्तिन का अतीत, परिवार और समाज की समस्याओं से जूझते हुए, आगे बढ़ता है, कैसे ?

Solution.भक्तिन का अतीत और उसकी यात्रा परिवार और समाज की समस्याओं से जूझते हुए एक प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत करती है।

1. अतीत की चुनौतियाँ: भक्तिन का अतीत समस्याओं से भरा हुआ था। वह समाज की सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करती रही। परिवार की आर्थिक तंगी और सामाजिक असमानता ने उसकी जीवन यात्रा को कठिन बना दिया।

2.सामाजिक संघर्ष: भक्तिन ने अपने परिवार की कठिन परिस्थितियों के बावजूद समाज की मान्यताओं और प्रथाओं को चुनौती दी। समाज में व्याप्त असमानता और भेदभाव के खिलाफ उसने संघर्ष किया, जो उसके साहस और दृढ़ता को दर्शाता है।

3. आगे बढ़ने का प्रयास: भक्तिन ने अपने अतीत की कठिनाइयों को पार करते हुए एक नई दिशा में आगे बढ़ने की कोशिश की। उसने शिक्षा और आत्मनिर्भरता के माध्यम से

collegedunia
India's largest Student Review Platform

अपने परिवार की स्थिति में सुधार लाने का प्रयास किया और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाया।

इस प्रकार, भक्तिन ने अपने अतीत की समस्याओं को एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया और अपने परिवार और समाज के लिए एक सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में प्रयास किया।

(ख) आदर्श समाज की स्थापना में डॉ**.** आंबेडकर के विचारों की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

Solution. डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचार आदर्श समाज की स्थापना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थे। उनकी सोच ने सामाजिक न्याय, समानता, और मानवाधिकार की नींव रखी। उनके विचारों की सार्थकता को निम्नलिखित बिंदुओं में स्पष्ट किया जा सकता है:

1.समानता और सामाजिक न्याय:आंबेडकर ने जातिवाद और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ कठोर विचार व्यक्त किए। उनका मानना था कि हर व्यक्ति को समान अधिकार और अवसर मिलना चाहिए, चाहे उसकी जाति, धर्म, या लिंग कुछ भी हो। उन्होंने भारतीय समाज में जातिवाद और असमानता को समाप्त करने के लिए संघर्ष किया।

2. संविधान का निर्माण: आंबेडकर ने भारतीय संविधान को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संविधान में समानता, स्वतंत्रता, और न्याय के मूलभूत अधिकारों को शामिल किया गया, जो एक आदर्श समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था। उन्होंने सुनिश्चित किया कि संविधान में समाज के सभी वर्गों की भलाई का ध्यान रखा जाए।

3. शिक्षा और सामाजिक सुधार: आंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक सुधार का प्रमुख साधन मानते हुए इसके महत्व को उजागर किया। उन्होंने सभी वर्गों को शिक्षा के अवसर प्रदान करने पर जोर दिया, जिससे समाज के कमजोर वर्गों को उठान और आत्मनिर्भरता मिल सके।

4. अर्थशास्त्र और समाजवाद: आंबेडकर ने आर्थिक समानता पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने जाति व्यवस्था और सामाजिक असमानता को समाप्त करने के लिए समाजवादी दृष्टिकोण अपनाया, जिससे एक समान और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना हो सके।

डॉ. आंबेडकर के ये विचार और कार्य आदर्श समाज की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उनके दृष्टिकोण ने सामाजिक बदलाव और न्याय की ओर एक ठोस आधार प्रदान किया।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ग) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में लेखक मेंढक मंडली पर पानी डालना व्यर्थ क्यों मानते थे ?

Solution. 'काले मेघा पानी दे' पाठ में लेखक मेंढ़क मंडली पर पानी डालना व्यर्थ मानते थे क्योंकि यह उनके समय और प्रयास की बर्बादी प्रतीत होता था। यहाँ पर लेखक ने मेंढ़कों की आदतों और उनकी वास्तविक स्थिति को दिखाते हुए इस पर व्यंग्य किया है।

लेखक ने यह अनुभव किया कि मेंढ़क मंडली में पानी डालने से कोई सार्थक परिणाम नहीं होता। इसके पीछे लेखक के दृष्टिकोण की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं:

1. अवास्तविकता और आदत: मेंढ़क एक ही समय पर बहुत अधिक संख्या में और उच्च स्वर में आवाज करते हैं, लेकिन उनके लिए पानी डालना या उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना व्यर्थ होता है क्योंकि उनकी आदतें और व्यवहार ऐसे होते हैं कि वे केवल अपने तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं।

2.अस्थायी समाधान: लेखक का मानना था कि पानी डालने से केवल अस्थायी राहत मिलती है, लेकिन इससे मेंढ़कों के वास्तविक आवश्यकताओं और समस्याओं का समाधान नहीं होता। यह एक तात्कालिक और अस्थायी प्रयास था, जो दीर्घकालिक परिणाम नहीं देता।

3. प्रकृति के नियम: लेखक ने यह भी संकेत दिया कि मेंढ़क मंडली के लिए प्राकृतिक परिस्थितियाँ और उनके साथ तदनुसार व्यवहार जरूरी है। यदि प्राकृतिक परिस्थितियाँ ठीक नहीं हैं, तो किसी बाहरी प्रयास से स्थायी बदलाव नहीं आ सकता।

इस प्रकार, लेखक ने यह समझाया कि मेंढ़कों के प्रति की जाने वाली ये साधारण क्रियाएँ और उपाय उनकी वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते, और इसलिए उन्हें व्यर्थ माना गया।

Q.13 गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:**

(क) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर श्रम विभाजन और श्रमिक विभाजन में अंतर स्पष्ट कीजिए।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

Solution. ‘श्रम विभाजन और जाति प्रथा’ पाठ के आधार पर, श्रम विभाजन और श्रमिक विभाजन में अंतर इस प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है:

श्रम विभाजन एक सामाजिक व्यवस्था है जिसमें कार्यों को विभिन्न भूमिकाओं और जिम्मेदारियों में विभाजित किया जाता है ताकि उत्पादन और कार्य दक्षता बढ़ सके। यह विभाजन आमतौर पर दक्षता और विशेषज्ञता के आधार पर होता है, जैसे कृषि, उद्योग, या सेवाएँ।

श्रमिक विभाजन जाति प्रथा के संदर्भ में एक विषमतापूर्ण विभाजन है, जहाँ जातियों के आधार पर श्रमिकों को विभिन्न कार्यों में बांटा जाता है। इसमें सामाजिक असमानता और भेदभाव होता है, जैसे कि विशेष जातियाँ विशेष काम करने के लिए बाध्य होती हैं और अन्य जातियों को अलग कार्यों में रखा जाता है।

इस प्रकार, श्रम विभाजन दक्षता के उद्देश्य से होता है, जबकि श्रमिक विभाजन सामाजिक असमानता और भेदभाव को जन्म देता है।

(ख) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी किसान के उदाहरण द्वारा क्या सिद्ध करना चाहती है ?

Solution. 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी किसान के उदाहरण के माध्यम से लेखक यह सिद्ध करना चाहती हैं कि केवल अपनी मेहनत और प्रयास से ही किसी समस्या का समाधान संभव है, न कि किसी बाहरी सहारे की उम्मीद से।

जीजी किसान का उदाहरण दिखाता है कि कैसे किसान ने अपने खेत की सिंचाई और फसल की देखभाल के लिए खुद पर विश्वास और कड़ी मेहनत की। बारिश की कमी के बावजूद, उसने निरंतर प्रयास और संयम बनाए रखा। इस प्रकार, जीजी किसान की कहानी यह सिखाती है कि वास्तविक परिवर्तन और सफलता के लिए आत्मनिर्भरता और निरंतर प्रयास जरूरी हैं। बाहरी परिस्थितियाँ अस्थायी हो सकती हैं, लेकिन व्यक्ति का संकल्प और मेहनत ही स्थायी परिणाम दे सकते हैं।

(ग) बाज़ार जाते समय हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिससे बाज़ार के जादू से बचा जा सके ? 'बाज़ार-दर्शन' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

Solution.‘बाज़ार-दर्शन’ पाठ के संदर्भ में, बाज़ार जाते समय हमें निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि हम बाज़ार के 'जादू' से बच सकें:

collegedunia
India's largest Student Review Platform

1.योजना बनाएं: बाज़ार जाने से पहले अपनी खरीदारी की एक सूची बनाएं और उसे देखकर ही वस्त्र खरीदें। इससे आप अनावश्यक चीज़ों की खरीदारी से बच सकते हैं।

2.बजट तय करें: अपने बजट को स्पष्ट रूप से तय करें और उसकी सीमा में ही खरीदारी करें। इससे आप अपने पैसे की अच्छी तरह से योजना बना सकेंगे और बजट से बाहर जाने से बच सकेंगे।

3.प्रलोभनों से बचें: बाज़ार में विक्रेता अक्सर आकर्षक प्रस्ताव और छूट का दावा करते हैं। इन प्रलोभनों से बचने के लिए केवल वही खरीदें जो वास्तव में ज़रूरी हो और उसकी आवश्यकता को प्राथमिकता दें।

4.शांति बनाए रखें: भीड़-भाड़ और विक्रेताओं की अपीलों से प्रभावित न हों। शांति बनाए रखते हुए अपनी सूची के अनुसार खरीदारी करें और इम्पल्स बायिंग से बचें।

5.मूल्य तुलना करें: समान वस्त्रों की कीमत विभिन्न दुकानों में तुलना करें। इससे आप सही मूल्य पर सामान खरीद सकेंगे और अधिक पैसे खर्च करने से बचेंगे।

इन उपायों से बाज़ार के आकर्षण और प्रलोभनों से बचकर आप समझदारी से खरीदारी कर सकते हैं और अपनी वित्तीय स्थिति को सुरक्षित रख सकते हैं।

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.14. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:**

(क) **'**सिल्वर वैडिंग**'** कहानी की मुख्य समस्या पर विचार कीजिए।

Solution. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की मुख्य समस्या परिवार और विवाह के संबंधों में उथल-पुथल को दर्शाती है। कहानी एक **पांचवी सालगिरह** के अवसर पर केंद्रित है, जब दांपत्य जीवन में कई मुद्दे उभरकर सामने आते हैं।

कहानी की मुख्य समस्या यह है कि दांपत्य जीवन की जटिलताओं और विवाहित जीवन के तनाव ने एक परिवार के सदस्यों के बीच दूरी और असंतोष पैदा कर दिया है। इस

collegedunia
India's largest Student Review Platform

अवसर पर, जो पारंपरिक रूप से प्रेम और मिलन का प्रतीक माना जाता है, वे आपसी मनमुटाव और नासमझी को दर्शाते हैं।

कहानी में मुख्य पात्र अपने साथी के साथ संबंधों की सच्चाई का सामना करते हैं और दांपत्य जीवन की वास्तविकता को समझने की कोशिश करते हैं। इस प्रक्रिया में, वे अपने आपसी विश्वास, समझ और स्नेह को पुनः परखते हैं।

'सिल्वर वैडिंग' इस बात को उजागर करती है कि किसी भी दीर्घकालिक संबंध में समस्याएं आना स्वाभाविक है और उन्हें हल करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और समझदारी की आवश्यकता होती है।

(ख) 'जूझ' कहानी के लेखक का संघर्ष हमारे लिए प्रेरणादायक है, कैसे ?

Solution. 'जूझ' कहानी के लेखक के संघर्ष में कई प्रेरणादायक पहलू हैं जो हमें अपने जीवन में कठिनाइयों का सामना करने की प्रेरणा देते हैं:

1.सामाजिक और व्यक्तिगत संघर्ष: लेखक ने समाज में व्याप्त असमानता, भेदभाव, और सामाजिक चुनौतियों का सामना किया। उनके संघर्ष ने हमें यह सिखाया कि सामाजिक बदलाव के लिए व्यक्तिगत संघर्ष और दृढ़ता कितनी महत्वपूर्ण होती है। वे दिखाते हैं कि अपने विश्वास और आदर्शों के प्रति सच्चे रहना आसान नहीं होता, लेकिन यह संभव है।

2.सहनशीलता और आत्मविश्वास: लेखक ने अपने संघर्षों के बावजूद आत्मविश्वास और धैर्य बनाए रखा। उनकी इस सहनशीलता से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि जीवन की कठिनाइयों का सामना करते हुए भी हमें अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ते रहना चाहिए।

3.सृजनात्मकता और नवीकरण: लेखक ने अपनी कठिनाइयों को अपने लेखन और सृजनात्मकता के माध्यम से व्यक्त किया। यह हमें यह सिखाता है कि संकट और चुनौती को एक सृजनात्मक शक्ति में बदल सकते हैं और उससे न केवल व्यक्तिगत विकास कर सकते हैं, बल्कि समाज में भी योगदान दे सकते हैं।

4. समाज सुधार की दिशा में प्रयास: लेखक का संघर्ष समाज में बदलाव लाने की दिशा में था। उन्होंने सामाजिक मुद्दों को उजागर किया और सुधार की दिशा में पहल की। यह हमें दिखाता है कि किसी भी बदलाव की शुरुआत व्यक्तिगत संघर्ष और प्रयास से होती है, और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए हमें अपने हिस्से का योगदान देना चाहिए।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

'जूझ' कहानी के लेखक का संघर्ष हमें यह सिखाता है कि जीवन में चुनौतियों का सामना करते हुए भी हमें अपने आदर्शों पर विश्वास बनाए रखना चाहिए और अपनी सृजनात्मकता और संकल्प के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करनी चाहिए।

(ग) सिंधु सभ्यता को लघुता में भी महत्ता का अनुभव करने वाली संस्कृति कहे जाने का क्या आधार है **?**

Solution. सिंधु सभ्यता को "लघुता में भी महत्ता का अनुभव करने वाली संस्कृति" कहे जाने का आधार इसके निम्नलिखित प्रमुख पहलुओं में है:

1.उन्नत नगर नियोजन और वास्तुकला: सिंधु सभ्यता के नगर जैसे मोहनजोदड़ो और हड़प्पा का नियोजन बहुत उन्नत था। इनके नगरों में चौकस और व्यवस्थित सड़कें, जल निकासी प्रणाली, और कुशल जलाशयों की व्यवस्था की गई थी। इन नगरों का नियोजन और वास्तुकला छोटी-सी जगह में एक उच्च स्तर की योजना और संस्कृति को दर्शाता है।

2. विस्तृत व्यापार और व्यापार नेटवर्क: सिंधु सभ्यता ने छोटे-से स्थान में भी एक व्यापक व्यापार नेटवर्क स्थापित किया था। इसके व्यापार संबंध Mesopotamia और अन्य प्राचीन सभ्यताओं तक फैले हुए थे। इस व्यापार नेटवर्क ने सभ्यता को आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बना दिया।

3. सुसज्जित बस्तियाँ और वस्त्र निर्माण: सिंधु सभ्यता में कपड़े बुनाई और वस्त्र निर्माण की उन्नत तकनीकें थीं। यहां की वस्त्रों की गुणवत्ता और डिज़ाइन इस बात को प्रमाणित करती है कि छोटी-सी सभ्यता में भी उच्च स्तर की वस्त्र कला विकसित हुई थी।

4. संगठित लेखन प्रणाली: सिंधु सभ्यता की लेखन प्रणाली, हालांकि अभी पूरी तरह से समझी नहीं गई है, लेकिन इसके अस्तित्व से पता चलता है कि इस सभ्यता में एक विकसित और व्यवस्थित सांस्कृतिक और प्रशासनिक प्रणाली थी। यह संस्कृति की महत्ता को और भी बढ़ाता है।

5. कला और शिल्प: सिंधु सभ्यता के अवशेष, जैसे मुहरें, मूर्तियाँ, और अन्य कलात्मक वस्तुएँ, इस बात का प्रमाण हैं कि यहाँ की कला और शिल्प न केवल सुंदरता में बल्कि सूक्ष्मता में भी अत्यंत उन्नत थे। छोटी-छोटी वस्तुओं पर उत्कृष्ट कारीगरी ने इस सभ्यता की सांस्कृतिक महत्ता को स्पष्ट किया।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

इन सब पहलुओं से सिद्ध होता है कि सिंधु सभ्यता ने भौतिक रूप से भले ही छोटी जगह पर अपना अस्तित्व रखा, लेकिन इसके सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी योगदान ने इसे एक महत्वपूर्ण और महत्त्वपूर्ण सभ्यता बना दिया।

collegedunia
India's largest Student Review Platform